प्रेस-विज्ञप्ति

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर दीव समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय ने दिलायी सत्यनिष्ठा की शपथ

सरदार पटेल को याद करते हुए दीव के सभी कार्यालयों में ली गई सत्यनिष्ठा की शपथ

दीव 31 अक्टूबर, 2020 : स्वतंत्र भारत के पहले गृह मंत्री और लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल के 145वीं जयंती के अवसर पर आज दीव समाहर्तालय सभागार में दीव समाहर्ता श्रीमती सलोनी राय ने अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। इस दौरान दीव उप-समाहर्ता और समाहर्तालय परिसर में स्थित सभी कार्यालयों के अधिकारी और कर्मचारीगण उपस्थित रहे। शपथ दिलाते हुए यह प्रण लिया गया कि राष्ट्र की एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाये रखने के लिए स्वयं की आहूति देते हुए देशवासियों के बीच त्याग एवं समर्पण का संदेश फैलाया जाएगा। सरदार पटेल के योगदानों और उनकी दूरदर्शिता को सच्चा सम्मान देने के लिए देश की आंतरिक सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने हेतु हर संभव योगदान देने का संकल्प भी इस अवसर पर लिया गया। अमूमन इस अवसर पर कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है मगर इस वर्ष कोरोना वैश्विक महामारी के मद्देनजर इन कार्यक्रमों का आयोजन नहीं किया जा सका। इस अवसर पर दीव के अन्य सभी कार्यालयों में भी सत्यनिष्ठा की शपथ ली गई ।

ध्यातव्य है कि सरदार पटेल की जयंती को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देशी रियासतों का एकीकरण कर अखंड भारत के निर्माण में सरदार पटेल के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने 562 छोटी-बड़ी रियासतों का भारतीय संघ में विलीनीकरण करके भारतीय एकता को और प्रगाढ़ किया। किसी भी देश का आधार उसकी एकता और अखंडता में निहित होता है और सरदार वल्लभभाई पटेल देश की एकता के सूत्रधार थे। इसी वजह से उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय एकता दिवस के तौर पर मनाया जाता है। इस परम्परा की शुरूआत वर्ष 2014 में हुई, जब पहली बार सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया। उनके प्रतिभाशाली व्यक्तित्व को देखकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें लौह पुरुष की उपाधि दी थी।

देश के प्रति इनके अमूल्य योगदान को ध्यान में रखते हुए गुजरात में नर्मदा के सरदार सरोवर बांध के सामने सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची लौह प्रतिमा का निर्माण किया गया है जिसे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी भी कहते हैं । यह विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है। इसे 31 अक्टूबर 2018 को देश को समर्पित किया गया था ।

हस्ता/-

(जनसंपर्क अधिकारी)

दीव